

प्रकाश डालते हुए, उनके समाधान प्रस्तुत करते हैं, ऐसे नाटक मंच पर नहीं खेले जाते।

**नुक्ता** पुं. (अर.) 1. सूक्ष्मता, बारीकी 2. रहस्य, मर्म, भेद 3. दोष, बुराई 4. बिंदु, बिंदी 5. अक्षरों के नीचे या ऊपर लगाई जाने वाली बिंदी जैसे- क, ख, ग, ज, इ, ढ तथा फ आदि।

**नुक्ताची** पुं. (अर.) 1. दूसरों के दोष निकालने की प्रवृत्ति वाला, परछिद्रान्वेषी 2. आलोचना करने वाला, आलोचक।

**नुक्ताचीनी** स्त्री. (अर.+फा.) 1. दूसरों के दोष खोजने तथा उन्हें अन्य लोगों को बताने की प्रवृत्ति, परछिद्रान्वेषण 2. आलोचना, टीका-टिप्पणी।

**नुक्ती** स्त्री. (देश.) 1. धुली उड़द की दाल को पीस कर बनाई जाने वाली बहुत छोटी बूँदी, जिसका उपयोग लड्डू तथा रायता बनाने के लिए किया जाता है 2. उक्त बूँदियों को चीनी की चाशनी में डुबोकर तैयार किया गया मिष्ठान्न।

**नुक्स** पुं. (अर.) 1. कमी, न्यूनता 2. दोष, ऐब 3. भूल, त्रुटि।

**नुक्सान** पुं. (तत्.) दे. नुक्सान।

**नुक्सानी** पुं. (तत्.) दे. नुक्सानी।

**नुचना** अ.क्रि. (देश.) नोचा जाना।

**नुचवाना** स.क्रि. (देश.) किसी अन्य को नोचने की क्रिया में प्रवृत्त करना।

**नुजूम** पुं. (अर.) 1. तारे 2. भाग्य 3. सितारों का जीवन पर प्रभाव वि. नुज्म का बहुव।

**नुजूमी** वि. (अर.) 1. खगोल शास्त्र से संबद्ध 2. ज्योतिष से संबंध रखने वाला पुं. ज्योतिषी।

**नुनखरा** वि. (तद्.+फा.) जिसमें कुछ नमकीन या कुछ खारा स्वाद हो।

**नुमाइंदगी** स्त्री. (फा.) प्रतिनिधि होने की अवस्था अथवा भाव, प्रतिनिधित्व।

**नुमाइंदा** पुं. (फा.) प्रतिनिधि।

**नुमाइश** स्त्री. (फा.) 1. प्रदर्शन, दिखावा 2. शृंगार, साज-सज्जा 3. प्रदर्शनी।

**नुमाइशी** वि. (फा.) 1. प्रदर्शनी से संबंधित 2. प्रदर्शन के योग्य, सुंदर 3. जो देखने में सुंदर हो पर वास्तव में कमजोर हो या उपयोगी न हो देखने मात्र का।

**नुमायाँ** वि. (फा.) 1. व्यक्त, प्रकट 2. स्पष्ट।

**नुस्खा** पुं. (अर.) 1. रोग के उपचार की विशिष्ट विधि 2. वह कागज जिस पर चिकित्सक ने रोगी के लिए औषधि तथा उसके प्रयोग की विधि लिखी हो लाक्ष. कुछ बनाने का फारमूला या उपाय।

**नू** स्त्री. (तद्.) 1. पुत्रवधू, बहू, स्नुषा, प्रत्यय. (देश.) 2. को, इसका प्रयोग ब्रजभाषा, राजस्थानी, पंजाबी आदि में (कर्मकारक की विभक्ति) के रूप में होता है जैसे- रामनाथ नू फल खिलाओ।

**नूतन** वि. (तत्.) 1. नवीन, नया, अभिनव, 2. ताजा 3. तत्क्षण का 4. अभी हाल का, आधुनिक 5. अनूठा, अनोखा, विलक्षण, अद्भुत।

**नूतनजीवी महाकल्प** पुं. (तत्.) भूवि. चार महाकल्पों में से सबसे बाद वाला महाकल्प जिसकी कालावधि छह करोड़ वर्ष पूर्व से लेकर आज तक की मानी जाती है, इसमें स्तनपोषी तथा पुष्पी पादप विकसित हुए तथा हिमालय और आल्पस पर्वत अस्तित्व में आए।

**नूतनतम युग** पुं. (तत्.) नृवि. वर्तमान कालीन पुरा.वि. हिमानी युग के अंत में उद्भूत तथा नियोजनीय काल के अंतिम भाग का उत्तरार्द्ध भूवि. अर्वाचीन युग, अभिनव, नूतन काल। holocene

**नूतनता** स्त्री. (तत्.) 1. नूतन (नवीन) होने की अवस्था, गुण, अथवा भाव 2. नवीनता, नयापन।

**नूतन विश्व** पुं. (तत्.) इति.राज. पश्चिमी गोलार्ध, विशेष रूप से उत्तरी तथा दक्षिणी अमेरिका का यूरोपीय (महाद्वीपी) भूखंड, समतल मानचित्र पर शून्य डिग्री देशांतर से दाहिनी ओर का क्षेत्र, नई दुनिया। western hemisphere